मूल हिंदी में

भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारां कत प्रश्न सं. **503**9
23.03.2026 को उत्तर के लए

वनीकरण और जलवायु अनुकूलन संबंधी योजनाएँ

5039. श्री नरेश चंद्र उत्तम पटेल :

क्या पर्यावरण**,** वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे क :

(क) फतेहपुर जिले में वनीकरण तथा जलवायु अनूकूलन से संबं धत कार्यान्वित की जा रही योजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(ख) उक्त योजनाओं के अंतर्गत स्थानीय युवाओं को रोजगर उपलब्ध कराने के लए क्या प्रावधान कए गए हैं?

उत्तर

पर्यावरण**,** वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह**)**

(क) और (ख) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केंद्र प्रायोजित योजनाओं जैसे क राष्ट्रीय हरित भारत मशन (जीआईएम), क्षतिपूर्ति वनीकरण नि ध प्रबंधन और योजना प्रा धकरण (सीएएमपीए) और नगर वन योजना के माध्यम से, राज्य सरकारों द्वारा कार्यान्वित की जाने वाली योजनाओं के तहत, उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले सहित व भन्न राज्यों में वनीकरण, पारिस्थितिकी बहाली और जलवायु अनुकूलन गति व धयों का समर्थन करता है।

भारत की जलवायु संबंधी कार्रवाइयां जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) द्वारा निर्दे शत होती हैं, जिसमें हरित भारत मशन सहित नौ राष्ट्रीय मशन शा मल हैं जो शमन और अनुकूलन दोनों को कवर करते हैं। राज्य- व शष्ट रणनीतियों को जलवायु परिवर्तन पर राज्य कार्य योजनाओं (एसएपीसीसी) में रेखां कत कया गया है, जिसमें उत्तर प्रदेश की योजना भी शा मल है। 2015 में स्था पत जलवायु परिवर्तन के लए राष्ट्रीय अनुकूलन कोष (एनएएफसीसी) संवेदनशील राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में अनुकूलन परियोजनाओं के लए सहायता प्रदान करता है; 847.48 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली 30 परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की गई है, जिसमें बुंदेलखंड क्षेत्र में पारिस्थितिकी तंत्र-आधारित अनुकूलन पर उत्तर प्रदेश की एक परियोजना (19.80 करोड़ रुपये) भी शा मल है, जो पूरी हो चुकी है।

ये योजनाएँ मांग-आधारित हैं और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर अनुमोदित योजनाओं के अनुसार कार्यान्वित की जाती हैं। कार्यान्वयन में युवाओं सहित स्थानीय समुदायों की भागीदारी शा मल है, जिससे मजदूरी आधारित रोजगार सृजित होता है; हालां क, स्थानीय युवाओं के लए कोई अलग प्रावधान नहीं है। फतेहपुर जिले में, वृक्षारोपण गति व धयाँ मुख्य रूप से सामाजिक वानिकी योजना के अंतर्गत की जाती हैं, जिससे वर्ष 2024-25 के दौरान 2,56,300 व्यक्ति-दिवस का रोजगार सृजित हुआ।

****